कई सिटी बसें बंद, राजधानी में सफर महंगा

ऑटो और ई-रिक्शा चालक वसूल रहे मनमाना किराया

नीरज कुमार मिश्रा, नवभारत

भोपाल, 14 जुलाई. राजधानी में पिछले कई महीनों से कई सिटी बसों के पहिए धमने से शहरवासी परेशान है. अब लोगों को आटो रिक्शा और ई-रिक्शा से मजबूरन अपना सफर पूरा करना पड़ रहा है.

प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों का इस पर कहना है कि सिटी बसों के बंद हो जाने से उन्हें ज्यादा पैसे खर्च कर अप-डाउन करना पड़ रहा है. भोपाल में करीब 11 रूटों पर लाल बसों का संचालन ठप हो गया है. बीसीएलएल कंपनी की बसों की संख्या कम हो जाने से शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने के लिए लोगों को अब 3 से 4 साधन बदले हुए पहुंचना पड़ रहा है. जिससे कि लोगों का समय और पैसा भी ज्यादा खर्च हो रहा है. अशोका गार्डन के रहवासी धीरेन्द्र धाकड़ ने बताया कि पहले जब उन्हें कोलार के लिए जाना होता था.

इतवारा से मिसरोद तक सफर करने वाले बलराम ने बताया कि पहले बस की सुविधा होने के चलते एक बार के टिकट खर्च पर आवागमन आसान था. अभी इतनी दूरी का सफर करने के लिए 4 साधन बदलने होते है. इसके साथ ही किराया का खर्चा भी बढ़ गया है. जिससे कि परेशानी होती है. शहर में रोजाना अपड़ाउन करने वाले नितेश और विवेक ने बताया कि लाल बसों के बंद होने से परेशानी बढ़ी है. आटो और ई-रिक्शा चालक मनमाना किराया भी बसूल कर रह हैं. इसके अलावा स्कूल, कालेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी बसों के संचालन की सुविधा बंद होने से आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

भोपाल में चलने वाली पुरानी बसों का टेंडर खत्म हो जाने से यात्रियों को असुविधाएं हो रही है. आगामी 3 से 4 महीनों में शहर में सीएनजी बसों का संचालन हो सकता है. जिससे यात्रा का लाभ शहर के लोगों को मिल सकेगा.

मनोज राठौर,
डायरेक्टर, बीसीएलएल कंपनी

घरों में लार्वा को पनपने से रोका जाए

वर्षा के मौसम में माइक्रो प्लान पर काम करने के निर्देश

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सोमवार को डेंगू निरोधक माह के उपलक्ष्य में नगर निगम के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया.

जिसमें नगर निगम के समस्त जोन, एएचओ एवं मलेरिया के सुपरवाइजर उपस्थित रहे. बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण द्वारा चिन्हित क्षेत्र मे सयुक्त अभियान चलाने पर विशेष प्रकाश डाला गया. जल भराव वाले स्थान स्थानों पर आयल बॉल का उपयोग किया जाना है इस अभियान के रूप मे जुलाई माह से शुरू करना है. बारिश के मौसम मे माइक्रो प्लान बनाकर समन्वय से कार्य करना है. अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान द्वारा बचाव एवं प्रतिबंधत्मक कार्यवाही की जाए. घरों मे मनी प्लांट एवं फूलदानो में लार्वा को पनपने से रोका जा सकते है. प्रति सप्ताह पानी को बदला जाए एवं पानी की टांकियों को ढक्कन लगा कर रखें. कवर्ड कैंपस में फुब्बारे एवं अन्य जलस्त्रोत जहा पानी की निकासी ना हो वहा गंबुसया मछली का संचायान किया जाए.

शिक्षा पर खर्च, लेकिन नतीजे कमजोर रिपोर्ट में एमपी की स्थिति चिंताजनक

भोपाल, 14 जुलाई.मध्यप्रदेश सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के तमाम प्रयासों के बावजूद केंद्र सरकार की 'परख 2024' रिपोर्ट ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था की नींव को हिला देने वाला सच सामने रखा है.

करोड़ों की लागत से संदीपनि स्कूल बनाए जा रहे हैं, योग्य शिक्षक नियुक्त हो रहे हैं, यूनिफॉर्म और मध्याह्न भोजन जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, फिर भी बच्चों का सीखने का स्तर राष्ट्रीय चिंता का विषय बना हुआ है. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण में कक्षा 3, 6 और 9 के करीब 1.40 लाख विद्यार्थियों को शामिल किया गया। मध्यप्रदेश में कक्षा 3 के 1,992, कक्षा 6 के 1,737 और कक्षा 9 के 2,010 स्कूलों में यह अध्ययन किया गया. कक्षा 9 के 69 प्रतिशत छात्र अनुपात और दशमलव का इस्तेमाल नहीं कर सकते, वहीं 60 प्रतिशत को वर्गमूल और घनमूल की समझ नहीं है। 73 प्रतिशत छात्र प्रतिशत निकालने में अक्षम हैं. गणित के अलावा विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में भी कमजोर प्रदर्शन देखा गया — 60 प्रतिशत से अधिक छात्र पदार्थ के गुण, बीजगणित और प्राकृतिक घटनाओं के कारणों को नहीं समझते.

90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो

भोपाल. राजधानी में सोमवार को मेट्रो का ट्रायल किया गया. सुभाष नगर से एम्स मेट्रो स्टेशन तक पूरे प्राथमिकता कॉरिडोर पर ट्रायल रन के दौरान 90 किमी प्रति घंटे की निर्धारित गति हासिल की गई. भोपाल मेट्रो के पीआरओ हिमांशु ग्रोवर ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार के दिन शहर मेट्रो के ट्रायल को लेकर सभी तैयारियां पहले से ही पूरी कर ली गई थी. उन्होंने बताया कि समय-समय पर मेट्रो ट्रायल भोपाल में किया जा रहा है. इसके साथ ही मेट्रो संबंधी कार्य भी लगातार संचालित है.

अच्छी बारिश से बड़े तालाब का भरा पेट

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. बारिश के दिनों में शहर के जलस्त्रोतों में पानी बढ़ा है. भोपाल की लाइफ लाइन माने जाने वाला बड़े तालाब के जल स्तर में बढ़ गया है. बारिश अच्छी होने पर माना जा रहा है कि जल्द ही तालाब में भरपूर पानी भर जाएगा.

भदभदा डैम के सहायक यंत्री अजय सिंह सोलंकी ने बताया कि इस साल अबतक की हुई बारिश में बड़े तालाब में करीब 2 फीट तक पानी की बढ़ोत्तरी हुई है. अभी 7 फीट पानी की दरकार बड़े तालाब को और है. वहीं राजधानी के कलियासोत, केरवा, कोलार डैम का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है. बता दें कि बडे तालाब की जलभराव क्षमता 1666.80 फीट तक है. अभी इसमें 7 फीट तक पानी की जरूरत है. तालाब में पानी के भराव के बाद ही भदभदा डैम के गेट खोले जाने की संभावना बन जाती है. शहर के 25 प्रतिशत हिस्से में पानी की सप्लाई यहां से ही होती है.

सात फीट पानी की और है दरकार

वायुसेना की अग्निवीर योजना के तहत भर्ती चयन परीक्षा आज से

भोपाल. भारतीय वायुसेना की अग्निवीर योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो रही है. इसके तहत युवाओं की भर्ती के लिए चयन प्रक्रिया 26 जुलाई तक आयोजित की जा रही है. इस प्रक्रिया के अंतर्गत होने वाली फिजिकल एक्टिविटी (शारीरिक परीक्षा) के सुचारु संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा यातायात नियंत्रण निर्णय लिया गया है. निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक दिन प्रात: 6 से 8 बजे तक वन विहार गेट से धूनीवाले दादाजी मंदिर तक का मार्ग पूर्णत: बंद रहेगा.

आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन

हाइपरटेंशन, मधुमेह, टी.बी. की हुई स्क्रीनिंग

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. नागरिकों को उनके निवास के निकट स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से विकसित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर सोमवार को आयुष्मान आरोग्य शिविरो का आयोजन किया गया.

शिविरों के माध्यम से समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य है. शिविरो में विभिन्न रोगो की जांच, उपचार एवं आवश्यकता पड़ने पर अन्य संस्थाओ में रेफरल की सुविधाएं भी उपलब्ध थी. इनमें ब्लड प्रेशर की जांच, ब्लड शुगर की जांच, गर्भवती महिलाओ की जांच, शिशुओ, किशोरियों, वृद्धजनों की जांच, जिनमें दस्त रोग, निमोनिया, नेत्र विकार, मुख/ दंत विकारो की जांच, मानसिक स्वास्थ्य, नाक कान गले के विकारो की जांच, क्षय रोग की जांच तथा अन्य पैथोलॉजिकल जांचे, उपचार तथा आवश्य कतानुसार रेफरल की सुविधाएं उपलब्ध होगी.

सुरक्षा के लिए खदानों की करें नियमित निगरानी

कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी, एडीएम भूपेंद्र गोयल, प्रकाश नायक, अंकुर मेश्राम सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे.

बैठक में कलेक्टर सिंह ने बारिश को दृष्टिगत रखते हुए खनिज विभाग को निर्देश दिए कि सभी खनन क्षेत्रों की तार फेंसिंग अविलंब कराई जाए, जिससे बारिश के मौसम में दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके. उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए खदानों की नियमित निगरानी की जाए.

कलेक्टर सिंह ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चिन्हित शिकायतों के संतोषजनक समाधान पर बल दिया. साथ ही उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, समग्र ई-केवाईसी, फॉर्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान योजना की ई-केवाईसी कार्यों में प्रगति लाने हेतु भी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए.

दस्तक अभियान 22 जुलाई से होगा शुरू

भोपाल. दस्तक अभियान, डिस्ट्रिक्ट टीबी फोरम, मीजल्स रुबेला की टास्क फोर्स बैठक सोमवार को हुई. जिला पंचायत भोपाल मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई. बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनीष शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, सब डिविजनल मेडिकल ऑफिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे. दस्तक अभियान के प्रथम चरण का आयोजन 22 जुलाई से किया जा रहा है.

सौंपा ज्ञापन ▶ आरजीपीवी में पीएचडी प्रभारी के पद से हटे भार्गव

एनएसयूआई का 7 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. आरजीपीवी भोपाल में अनियमितताओं के खिलाफ एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया. जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर की अगुवाई में करीब 3 घंटे तक प्रदर्शन चला.

इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने बातचीत करते हुए कार्यवाही की. एनएसयूआई की 7 सूत्रीय मांगों में सबसे पहली कार्रवाई करते हुए उप कुलसचिव प्रोफेसर राजेश भार्गव को पीएचडी प्रभारी के पद से हटा दिया गया है. एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने इस कार्रवाई को लेकर भी विश्वविद्यालय प्रशासन पर सवाल खड़े किए. उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रार द्वारा जारी आदेश में पुरानी तारीख (10 जुलाई) में हस्ताक्षर कर आदेश जारी किया गया. जबकि यह निर्णय एनएसयूआई के दबाव के बाद लिया गया है.

अक्षय तोमर ने कहा कि एनएसयूआई की प्रमुख मांगें जिन पर कार्रवाई की मांग की गई जिसमें से प्रथम और द्वितीय बिंदु पर तत्काल कार्यवाही की गई. उन्होंने बताया कि एनएसयूआई की मांग पर पीएचडी प्रभारी प्रोफेसर राजेश भार्गव को हटाने की कार्रवाई गई. इसके साथ ही करियर एडवांसमेंट स्कीम की 14 जुलाई की प्रस्तावित बैठक को तत्काल स्थगित किया गया.